भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 913

दिनांक 11 फरवरी, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

महिलाओं में एनीमिया के मामले

913# श्री नीरज डांगी:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश के उन राज्यों और जिलों का क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है जहां अभी भी अधिकतम संख्या में महिलाएं एनीमिया से पीड़ित हैं;
(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान, विशेषकर महिलाओं में एनीमिया के मामलों की संख्या में आई गिरावट का राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और
(ग) एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के माध्यम से देश भर में अनुमानित लक्ष्यों को प्राप्त करने में आ रही समस्याओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (ग): राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (एनएफएचएस-5, 2019-21) के अनुसार देश में प्रजनन आयु (15-49 वर्ष) वर्ग की सभी महिलाओं में एनीमिया की राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार व्याप्तता का विवरण **अनुलग्नक** में दिया गया है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (एनएफएचएस-5, 2019-21) के अनुसार देश में प्रजनन आयु (15-49 वर्ष) की सभी महिलाओं में एनीमिया की जिलेवार व्याप्पता https://www.data.gov.in/catalog/national-family-health-survey-5-nfhs-5-india-districts-factsheet-data लिंक पर उपलब्ध है।

भारत सरकार छह अंतःक्षेपों यथा रोगनिरोधी आयरन फोलिक एसिड संपूरक; कृमिनाशन; आयरन फोलिक एसिड संपूरक और कृमिनाशन के अनुपालन में सुधार के लिए वर्ष भर सामाजिक व्यवहार परिवर्तन संचार अभियान; उत्तम शिशु व छोटे बच्चों की आहार परिपाटी को बढ़ाना, आहार विविधता के माध्यम से आयरन युक्त भोजन के सेवन में वृद्धि को प्रोत्साहित करना, स्थानीय रूप से उपलब्ध संसाधनों के उपयोग पर ध्यान देने

के साथ गढ़वाले खाद्य पदार्थ; डिजिटल इनवेसिव हीमोग्लोबिनोमीटर का उपयोग करके हीमोग्लोबिन का आकलन और एनीमिया का उपचार; मजबूत संस्थागत तंत्र के माध्यम से एनीमिया के गैर-पोषण संबंधी कारणों को संबोधित करना-का कार्यान्वयन करके जीवन चक्र दृष्टिकोण में महिलाओं, बच्चों और किशोरों में एनीमिया के प्रसार को कम करने के लिए एनीमिया मुक्त भारत (एएमबी) कार्यनीति को कार्यान्वित करती है।

एनीमिया के लगभग 50 % मामलों को आयरन की कमी के कारण माना जाता है। एनीमिया के अन्य कारणों में अन्य सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी (जैसे फोलेट, राइबोफ्लेविन, विटामिन ए और बी12), तीव्र और जीर्ण संक्रमण (जैसे मलेरिया, कैंसर, तपेदिक और एचआईवी), हुकवर्म और अन्य परजीवी कृमियों का कृमि संक्रमण, और वंशानुगत या अधिग्रहित विकार शामिल हैं जो हीमोग्लोबिन संश्लेषण, लाल रक्त कोशिका उत्पादन या लाल रक्त कोशिका अस्तित्व (जैसे हीमोग्लोबिनोपैथी)को प्रभावित करते हैं।

*****

दिनांक **11** फरवरी**, 2025** को उत्तर हेतु राज्य सभा अतारांकित प्रश्न संख्या **913** के भाग (क)से (ग) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

अनुलग्नक

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5, 2019-21) के अनुसार 15-49 वर्ष की आयु वर्ग की सभी महिलाओं में एनीमिया की व्यापकता (%)

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	15-49 वर्ष की आयु वर्ग की सभी महिलाओं में एनीमिया की व्यापकता (%)
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	57.5
आंध्र प्रदेश	58.8
अरुणाचल प्रदेश	40.3
असम	65.9
बिहार	63.5
चंडीगढ़	60.3
छत्तीसगढ	60.8
दिल्ली	49.9
दादरा और नागर हवेली तथा दमन और दीव	62.5
गोवा	39.0
गुजरात	65.0
हरियाणा	60.4
हिमाचल प्रदेश	53.0
जम्मू और कश्मीर	65.9
झारखंड	65.3
कर्नाटक	47.8
केरल	36.3
लद्दाख	92.8
लक्षद्वीप	25.8
मध्य प्रदेश	54.7
महाराष्ट्र	54.2
मणिपुर	29.4
मेघालय	53.8
मिजोरम	34.8
नगालैंड	28.9
ओडिशा	64.3
पुदुचेरी	55.1
पंजाब	58.7
राजस्थान	54.4
सिक्किम	42.1
तमिलनाडु	53.4
तेलंगाना	57.6
त्रिपुरा	67.2
उत्तर प्रदेश	50.4
उत्तराखंड	42.6
पश्चिम बंगाल	71.4

*****